एसडी कॉलेज में क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप आयोजित, छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएं

चंडीगढ़, 06 फरवरी (राम सिंह बराड़): सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया। छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकु, ब्लैकआउट कविता, एक्फ्रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया। कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का स्वागत करने तथा सभा को संबोधित करने के साथ हुई। उन्होंने पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

अजीत समाचार 07-Feb-2026
Page: 5
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अखबार
http://www.ajitsamachar.com/20260207/20/5/1_1.cms

Amar Ujala 8-2-26

विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने का हुनर सीखा

एसडी कॉलेज में लगाई क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप में मौजूद विद्यार्थी व अन्य। संवाद

चंडीगढ़। सेक्टर-32 के एसडी कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग ने क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया। इसमें विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया। 6 दिवसीय कार्यशाला में पीयू प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखा। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने के लिए विभाग के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन प्रो. पूजा सरीन ने किया। संवाद

एसडी कॉलेज में क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप आयोजित, छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएँ

अमूल्या/देवभूमि मिरर

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया। छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्फ्रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया। कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत करने तथा सभा को संबोधित करने के साथ हुई। उन्होंने पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे

प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

Arth Parkash 7-2-26

एसडी कॉलेज में क्रिएटिव राइटिंग लगी वर्कशॉप छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएं

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया।

छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्फ्रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया।

कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत करने तथा सभा को संबोधित करने के साथ हुई। उन्होंने पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

Chandigarh Tribune 6-2-26

CAMPUS NOTES

CREATIVE WRITING WORKSHOP

The postgraduate department of English at the Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma (GGDSD) College in Sector 32 organised a Creative Writing Workshop spanning several days, aimed at nurturing literary expression, strengthening creative skills and introducing students to diverse forms of poetic and reflective writing. During the workshop, students experimented with different styles of poetry, such as haikus, blackout poetry, ekphrastic poetry, etc.

दैनिक भास्कर 06/02/2026

'कलात्मक तरीके से कही बात ज्यादा प्रभावशाली'

Haikoo Workshop

जीजीडीएसडी कॉलेज- 32 में क्रिएटिव राइटिंग व हाईकू वर्कशॉप आयोजित हुई।

सिटी रिपोर्टर | चंडीगढ़

लिखते तो सभी ही हैं, फिर भी कुछ का लेखन ऐसा होता है, जिसे पढ़ते-पढ़ते मन करता है बस पढ़ते ही जाएं। कोई साधारण भाषा में कहता है रात हो गई तो कोई कलात्मक तरीके से लिखते हुए बताता है सूरज छिपते ही आसमान में चांद दिखने लगा। ज्यों-ज्यों अंधेरा बढ़ता गया, तारों की रोशनी जमीं तक आने लगी। बात वही है, मगर कहने का अंतर है। यही अंतर क्रिएटिव राइटिंग का रूप बनता है। बात को खूबसूरती से यूं कहना कि उसकी तस्वीर जहन में बनती जाए और भाषा ऐसी जो पढ़ने वाले को समझ आए। ऐसी ही एक क्रिएटिव राइटिंग व हाईकू वर्कशॉप जीजीडीएसडी कॉलेज- 32 में हुई। इसमें पंजाब यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश व कल्चरल स्टडीज से प्रो. दीप्ति गुप्ता और लेखक, कवि व सोशल एक्टिविस्ट नीना सिंह शामिल हुई। हाईकू स्टाइल कविता लिखने को लेकर नीना सिंह ने बताया - दुनिया की सबसे छोटी कविता होती है हाईकू। जापान की यह पोएट्री फॉर्म है जो तीन पंक्तियों में सारी बात और कविता को पूर्ण कर देती है। यह तीन पंक्तियों में इतनी गहराई होती है कि पढ़ने वाला अपने आप ही वो बात समझने लगता है जिन्हें शब्दों में कहा ही नहीं गया। इस रूप में कविता को लिखना मुश्किल माना जाता है।

एक बात को समझने के कई तरीके

क्रिएटिव राइटिंग को लेकर दिप्ती गुप्ता ने बताया- आप अलग तरीके से तभी लिख सकते हैं, जब आपको उस विषय की जानकारी विस्तार में हो। मतलब एक ही बात को समझने के कई तरीके होते हैं। इसके लिए कई तकनीक होती हैं। लिखते समय बात को क्रिएटिव तरीके से पहुंचाने के लिए कई और बातों का खयाल रखना होता है। जो बात हम लिखें, उसकी तस्वीर में जहन में बनती रहनी चाहिए। यह तब होगा जब छोटी-छोटी बात को गहराई में बताया जाएगा। इसके लिए भाषा की अमीरी चाहिए जो पढ़ने से आएगी। लिखना है तो लिखे हुए को पढ़ने का शौक बनाना ही होगा।

Dainik Savera Times 7-2-26

एसडी कॉलेज में क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप आयोजित, छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएं

वर्कशॉप में हिस्सा लेते छात्र।

सवेरा न्यूज/नीना चंडीगढ़ : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के पोस्ट ग्रैजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्क शॉप का आयोजन किया गया। वर्क शॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफैसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवियत्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत करने तथा सभा को संबोधित करने के साथ हुई। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

Divya Himachal 7-2-26

एसडी कालेज में क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डा. उरवी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ.साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्फ़रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

एसडी कॉलेज में क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप आयोजित
छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएं

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया। छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण

के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्फ्रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया। कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत करने तथा सभा को संबोधित करने के साथ हुई। उन्होंने पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप में छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएँ

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया।

छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्फ़्रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया।

Punjab Kesari 7-2-26

क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप आयोजित, छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएं

मुख्य वक्ता अपने विचार व्यक्त करती हुईं। *(परमजीत)*

चंडीगढ़ 6 फरवरी (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। अलग-अलग सत्रों में विद्यार्थियों को भावों की अभिव्यक्ति, कल्पनाशील लेखन और विचारों को सशक्त शब्दों में पिरोने की बारीकियों से अवगत कराया गया।

छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं।

कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्रोस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया। प्रिंसीपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

एसडी कॉलेज में क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप आयोजित, छात्रों ने सीखी कविता लेखन की नई विधाएँ

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग द्वारा विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिएटिव राइटिंग वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक सोच को विस्तार देना, लेखन कौशल को सुदृढ़ बनाना तथा उन्हें कविता और चिंतनात्मक लेखन जैसे विभिन्न साहित्यिक रूपों से परिचित कराना रहा।

छह दिवसीय कार्यशाला श्रृंखला के अंतर्गत इंग्लिश विभाग ने तीन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों की मेज़बानी की। इनमें पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के इंग्लिश विभाग की प्रोफेसर दीप्ति गुप्ता, चंडीगढ़ की बैंकर से कवयित्री बनीं नीना सिंह तथा एमिटी यूनिवर्सिटी, मोहाली में इंग्लिश की असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. उर्वी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला के सत्रों में विद्यार्थियों को विद्वतापूर्ण दृष्टिकोण के साथ-साथ रचनात्मक प्रेरणा भी प्राप्त हुई। इन सत्रों के दौरान छात्रों ने हाइकू, ब्लैकआउट कविता, एक्फ्रेस्टिक कविता सहित कविता लेखन की विभिन्न विधाओं को सीखते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर पाया। कार्यक्रम के प्रत्येक दिन की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा विशिष्ट संसाधन व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत करने तथा सभा को संबोधित करने के साथ हुई। उन्होंने पारंपरिक कक्षा शिक्षण से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पोस्ट ग्रेजुएट इंग्लिश विभाग की अध्यक्ष प्रो. पूजा सरीन द्वारा संसाधन व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

The Indian Express 6-2-26

Creative writing and haiku workshop blends theory with hands-on practice

Express News Service
Chandigarh, February 5

(From left) Dr Ajay Sharma (principal, GGDSD college); Prof Deepti Gupta (Dept of English, PU); Neena Singh (poet); and Pooja Sarin (head of Department of English, GGDSD college) during the workshop. EXPRESS

THE POSTGRADUATE Department of English, Goswami Ganesh Dutta Sanatan Dharma (GGDSD) College, Sector 32, organised a six-day Creative Writing and Haiku Workshop aimed at nurturing literary expression and strengthening students' creative skills. Designed to introduce participants to diverse forms of poetic and reflective writing, the workshop brought together eminent academicians, poets, and writers who blended theory with hands-on creative practice.

Principal Dr Ajay Sharma delivered a welcome address and applauded the Department of English for its sustained academic and creative initiatives. The inaugural sessions featured Prof Deepti Gupta, Department of English and Cultural Studies, Panjab University, and Neena Singh, a noted poet, author, and social activist.

A Fulbright Fellow with over 36 years of academic experience, Prof Gupta shared valuable insights drawn from her extensive work in teaching, research supervision, curriculum development, and university administration. Neena Singh, a banker-turned-poet from Chandigarh, spoke about haiku as a powerful form of expression, drawing from her experience as a published poet and founder of a non-profit organisation working for the education of underprivileged children.

Subsequent sessions were conducted by Dr Urvi Sharma, Assistant Professor of English at Amity University, Mohali, an acclaimed author and scholar published by international presses such as Bloomsbury and Cambridge Scholars Publishing. The workshop also benefitted from engaging sessions led by Harender Kumar, Dr Poorva Trikha, Dr Mandeep Sanehi, and Balpreet Singh, who guided students on narrative techniques, reflective writing, poetic experimentation, editing, and publication pathways. The interactive exercises enabled students to experiment with multiple genres, refine their individual voices, and gain confidence in their creative abilities. The programme concluded with head of the department, Pooja Sarin, proposing a vote of thanks. The workshop was convened by Harender Kumar and Dr Poorva Trikha.